समयांतर

जनवरी, 2017 वर्ष : 48 अंक : 4

संपादक : **पंकज बिष्ट**

वेब प्रभारी : **बबीता उप्रेती**

व्यवस्था : **ठाकुर प्रसाद चौबे**
व्यवस्था सहयोग : **सुशील शर्मा**
टाइपसेट : **राधा**

चंदे की दरें
सामान्य : एक वर्ष : रु. 350; दो वर्ष : रु. 600
तीन वर्ष : रु. 850; पांच वर्ष : रु. 1350
मित्र : एक वर्ष : रु. 500; दो वर्ष : रु. 800
तीन वर्ष : रु. 1000; पांच वर्ष : रु. 1500
छात्रों के लिए :
एक वर्ष : रु. 250; दो वर्ष : रु. 350
(प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर)

संस्थाओं के लिए : एक वर्ष : रु. 500.00
(रजिस्टर्ड डाक से मंगवाने के लिए एक वर्ष के कृपया रु. 250 अतिरिक्त भेजें)

विशेष सहयोग
आजीवन : **दस हजार रुपए**
दस वर्ष : **पांच हजार रुपए**

विदेशों में (हवाई डाक से)
एक वर्ष : **25 अमेरिकी डालर**
कृपया चंदा मनीऑर्डर अथवा डिमांड ड्राफ्ट से ही **समयांतर** के नाम भेजें। स्थानीय व बहुनगरीय चेक स्वीकार्य हैं।

बैंकके माध्यम से शुल्क भेजने के लिए
Samayantar Current a/c
No. 27520200000094
IFSC code : BARB0MAYVIH
Bank of Baroda, Mayur Vihar Ph.-I,
Delhi-110091
कृपया रेमिटेंस की सूचना तत्काल ईमेल अथवा एसएमएस से दें।

समयांतर, 79-ए, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095
फोन : 09868302298 (संपादकीय)
09871403843 (व्यवस्था)

email: samayantar.monthly@gmail.com
samayantar@yahoo.com

नोट: *समयांतर* से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।

इस अंक में

संपादकीय

8. बाजीगरी की सीमाएं

मंच

10. डिजिटल उपनिवेशवाद को निमंत्रण देता डिजिटल इंडिया और बायोमेट्रिक यूआईडी

विचार

14. अकादमिक स्वतंत्रता पर हमला – नंदिनी सुंदर से जितेंद्र कुमार की बातचीत

16. परवेज हुदभाय क्यों चिंतित हैं ? – सुभाष गाताडे

साहित्य और संस्कृति

19. ग्रंथावलियों का कारोबार – वंशीधर उपाध्याय

22. मैं तो बस लिखता और गाता रहा – बॉब डिलन

अतिथि संपादकीय

24. क्रांति की विरासत –कृष्ण सिंह

लेख

25. हमारे पीछे के सौ साल –विजय प्रशाद

28. भारत में वामपंथी राजनीति और लोकप्रिय आंदोलनों का भविष्य –सुमंत बनर्जी

30. महान क्रांति की भारतीय परंपरा – नरेश 'नदीम'

34. लाल, नीला और भगवा – आनंद तेलतुम्बड़े

44. मुक्ति पर दिया गया कोई भी बयान विचारधारा के अंत की घोषणा नहीं है... – अमित सेनगुप्ता

नव वर्ष 2017

हार्दिक शुभकामनाएं

समयांतर परिवार

इस अंक में

47. **भारतीय क्रांतिकारी कम्युनिस्ट आंदोलन की दिशा-दशा** – स्वदेश कुमार सिन्हा

51. **सफलता की असफलता** – प्रेम पुनेठा

58. **श्वेत पूंजीवादी समाज में समता के सवाल** – रामशरण जोशी

64. **कार्ल मार्क्स : कल और आज** – लुई मेनांड

71. **अक्टूबर क्रांति और स्त्री मुक्ति का एजेंडा** – कात्यायनी

83. **सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सबक** – आतिफ रब्बानी

86. **बीसवीं सदी का इतिहास लेखन और मार्क्सवादी चिंतन** –शुभनीत कौशिक

90. **सामाजिक सरोकारों की चेतना** – आनंद प्रकाश

96. **किसान और लेखक** – रामाज्ञा शशिधर

साक्षात्कार

54. **सुधार के नाम पर पूंजीवादी समाज का गठन** – मनोरंजन मोहंती से कृष्ण सिंह की बातचीत

पुस्तक-चर्चा

100. **भारतीय वामपंथ : बीमारी और इलाज** – सुनील कुमार

दस्तावेज

103. **क्रांति और वर्गीय चरित्र** – अनंत

104. **पहले सोवियत बजट का संघर्ष** – नादेजदा क्रूप्सकाया

106. **भू-स्वामी किसानों का देश** – जवाहरलाल नेहरू

107. **बोल्शेविक पार्टी के इतिहास की संक्षिप्त रूपरेखा** – रामप्रकाश अनंत

कविता

105. **इंकलाब-ए-रूस** – फैज अहमद फैज

आवरण : **फिलिप्पे मेलीविन** की कृति 'चक्रावात'

घटनाक्रम

निधन

● व्यंग्यकार, फिल्मकार, पत्रकार और तमिल साप्ताहिक *तुगलक* के संस्थापक संपादक श्रीनिवास अय्यर उर्फ **चो रामास्वामी** (5 अक्टूबर 1934 – 7 दिसंबर 2016) का चेन्नई में निधन।

● कथाकार **वीरेंद्र सक्सेना** (1 अगस्त 1941–9 दिसंबर 2016) का दिल्ली में निधन। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। उनकी चर्चित पुस्तकों में *खंडित राग, खराब मौसम के बावजूद, खोजा तिन पाईयां* (उपन्यास), *दिल्ली में पहला दिन, ट्रेजेडी से पहले* (कहानी संग्रह) तथा *ठोस होते हुए* (कविता संग्रह) शामिल हैं। वह *भाषा* पत्रिका के संपादक भी रहे।

● पर्यावरणविद् **अनुपम मिश्र** (3 जून 1946–19 दिसंबर 2016) का दिल्ली में निधन। गांधीवादी मिश्र ने पर्यावरण पर कई महत्त्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं और आजीवन एक सक्रिय कार्यकर्ता रहे। उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तकों में *आज भी खरे हैं तालाब, राजस्थान की रजत बूंदें* और *साफ माथे का समाज* शामिल हैं। *आज भी खरे हैं तालाब* उनकी सर्वाधिक लोकप्रिय पुस्तक है जिसने हिंदी में बिक्री का रिकार्ड स्थापित किया है।

सम्मान

● उपन्यासकार **कमलाकांत त्रिपाठी** को इस वर्ष का श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान प्रदान किया जाएगा।

● पवित्रा अग्रवाल (हैदराबाद) को उनकी कृति उजाले दूर नहीं के लिए इस वर्ष का बाबूलाल गोइन्का हिंदी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ अनूदित साहित्य के लिए दिया जाने वाला बालकृष्ण गोइन्का अनूदित साहित्य पुरस्कार वी. पद्मावती (चेन्नई) को उनकी कृति कोहरे में कैद रंग के तमिळ अनुवाद के लिए प्रदान किया गया। साथ ही बालकृष्ण गोइन्का हिंदी साहित्य सम्मान से चेन्नई के हिंदी सेवी व साहित्यकार/पत्रकार रमेश गुप्त नीरद को सम्मानित किया गया। कमला गोइन्का फाउंडेशन द्वारा स्थापित ये पुरस्कार दक्षिण भारत के हिंदी साहित्यकारों को प्रदान किए जाते हैं।

● **नासिरा शर्मा** के उपन्यास *पारिजात* को साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा। वर्ष 2016 के अन्य पुरस्कार पाने वालों में **निजाम सिद्दीकी** (उर्दू), **नृसिंह प्रसाद भादुड़ी** (बांग्ला), **जेरी पिंटो** (अंग्रेजी), **छत्रपाल** (डोगरी), **कमल वोरा** (गुजराती), **श्याम दरिहरे** (मैथिली), **आसाराम लोमटे** (मराठी), **गीता उपाध्याय** (नेपाली), **स्वराजबीर** (पंजाबी), **पारमिता सत्पथी** (ओड़िया), **बुलाकी शर्मा** (राजस्थानी), **पापिनेनी शिवशंकर** (तेलुगु), **प्रभा वर्मा** (मलयालम), **नंद जावेरी** (सिंधी), **गोबिंद्र चंद्र माक्षी** (संताली) आदि।

● 52वें भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार बांग्ला कवि **शंख घोष** को दिए जाने की घोषणा।

● कवि **केदारनाथ सिंह** को इस वर्ष का शब्द साधक सम्मान दिए जाने की घोषणा। इसके अलावा **मनोज रूपड़ा, अजय चौधरी** और **खालिद जावेद** को भी इंडिपेंडेंट मीडिया इनिशिएटिव सोसाइटी द्वारा विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

● पंडवानी गायिका **तीजन बाई** इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा डी लिट की उपाधि से सम्मानित। उनके साथ विश्वविद्यालय ने सरोद वादक **अमजद अली, शेखर सेन** तथा **भारती बंधु** को भी सम्मानित किया।